कथक नृत्य

एम. ए. प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

1. भारत में नृत्य की उत्पत्ति और विकास ।
2. भारत में लोकनृत्यों का उद्भव, विकास तथा भारतीय सामाजिक जीवन से उनका सम्बन्ध ।
3. नाट्यशास्त्र के अनुसार रस की व्याख्या एवं उसके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन ।
4. चित्र एवं मूर्तिकला में उपलब्ध नृत्य सम्बन्धी तथ्यों का अध्ययन ।
5. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान ।
6. अभिनय दर्पण में वर्णित देव हस्तों का श्लोक सहित अध्ययन
7. लोकधर्मी, नाट्य धर्मी एवं पूर्व रंग का विस्तृत अध्ययन ।
8. लखनऊ के नवाब वाज़िद अली शाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विशेष उल्लेख करते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू राजाओं के दरबारों में कथक नृत्य का उद्धार एवं पुनर्विकास ।
9. निम्नलिखित विषयों का अध्ययन –

अ. कथक नश्त्य की वेशभूषा का प्राचीन और आधुनिक स्वरूप ।

ब. कथक में सह कलाकारों की भूमिका ।

स. कथक का काव्य पक्ष ।

10. डेढ़ गुन, सवागुन और पौनगुन का विस्तृत अध्ययन ।

Scanned by CamScanner

द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

1. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबन्ध रचना ।
2. प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों, तोड़े, परन आदि लिपिबद्ध करने का अभ्यास ।
3. नीचे दिये गये कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता ।

   कथानक : अ. पंचवटी
   ब. मोहिनी भस्मासुर
   स. अभिसारिका नायिका

बिन्दु : संक्षिप्त कथावस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस ।

तृतीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

1. पुराणों एवं रामायण तथा महाभारत में वर्णित प्रसंगों का सविस्तार अध्ययन।
2. कथक नृत्य के घरानों का विस्तृत अध्ययन ।
3. अभिनय दर्पण में वर्णित विषय वस्तुओं का संक्षिप्त अध्ययन
4. उत्तर एवं दक्षिण भारत की ताल पद्धतियों का सामान्य अध्ययन ।
5. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन ।
6. कत्थक प्रशिक्षण की गुरू शिष्य परम्परा एवं शिक्षण पद्धति
7. बैले (नृत्य नाटिका) का उद्‌भव एवं विकास तथा कत्थक नृत्य में उसका योगदान ।

Scanned by CamScanner

8. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार करण एवं अंगहार का अध्ययन ।
9. निम्नलिखित नृत्य गुरूओं की जीवनियां एवं कत्थक नश्त्य में उनका योगदान – स्व. पं. सुंदर प्रसाद, स्व. पं. जानकी प्रसाद, स्व. पं. कार्तिक राम ।
10. पं. बिरजू महाराज की जीवनी एवं कत्थक को समृद्ध एवं लोकप्रिय बनाने के लिये उनके द्वारा किये गये प्रयास ।

प्रायोगिक – मौखिक

पूर्णांकः 300

1. निम्नलिखित में से किन्ही दो देवताओं की वंदना से संबंधित श्लोक पर भाव प्रदर्शन – गुरू वंदना, विष्णु वंदना एवं गणेश वंदना ।
2. कसक, मसक एवं कटाक्ष तथा अंग, प्रत्यंग एवं उपांगों के सुंदर संचालन के साथ थाट का विस्तश्त प्रदर्शन ।
3. ताल त्रिताल में नश्त्त पक्ष के सम्पूर्ण बोलों, तत्कार एवं तिहाईयों के विविध प्रकारों के साथ उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने की क्षमता ।
4. किन्हीं पांच गतनिकासों का प्रदर्शन ।
5. निम्नलिखित में से किन्ही दो गतभावों का प्रदर्शन – द्रौपदी वस्त्र हरण, कालिया दमन, माखन चोरी ।
6. रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्हीं तीन परनों का प्रदर्शन।
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो तालों में बोलों के निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता ।

ताल अष्टमंगल–22, ताल सवारी– 15 मात्रा, ताल शिखर–17

Scanned by CamScanner

मात्रा, थाट, एक आमद, दो परन, तीन तोड़े, दो चक्करदार तोड़े या परन, तिहाईयां आदि ।

8. निम्नलिखित का अभ्यास– ठुमरी, तराना एवं भजन ।

प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन

पूर्णांकः 150

1. आमंत्रित दर्शकों के समक्ष मंच प्रदर्शन ।

Scanned by CamScanner